आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना

कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई –नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह

2023

एसएचजी/नाम	:	नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	तरनोह
एफटीयू/रेंज	:	कोटली
डीएमयू/मंडल	:	मंडी
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी
द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल		द्वारा तैयार:- डीएमयू मंडी, एफटीयू कोटली और नारी शक्ति एसएचजी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	7-8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12-13
उत्पादन की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों)MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर(, ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तरउत्तर पूर्व-, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिकआर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर - हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

तरनोह वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, नारी शक्ति सहायता समुह स्वयं " , कटाई सिलाई और बुनाई से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए-, उन्होंने कटाई, सिलाई और बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, सुनीता कुमारी फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर मंडी और कोटली परिक्षेत्र, श्री अरुण कुमार वन रक्षक, वीर बीट और मेघ सिंह , वनखंड अधिकारी, वन खंड साईं गलू शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

कार्यकारी सारांश

तरनोह वन ग्रामीण विकास समिति-:

तरनोह वन ग्रामीण विकास समिति, तरनोह राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत तरनोह में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के कोटली ब्लॉक में स्थित है और 31°46’16”N अक्षांश -76°55’17” E देशांतर के बीच स्थित है। तरनोह वन ग्रामीण विकास समिति ,मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के कोटली वन परिक्षेत्र के तहत कोटली वन खण्ड की वीर बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	77
बीपीएल परिवार	8
कुल जनसंख्या	311
कुल मवेशी	341

स्वयं सहायता समुह का विवरण

नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह का गठन 05-10-2021 में तरनोह वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार में सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं। नारी शक्ति स्वयं सहायता समुह महिला समूह (13 महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 13 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह प्रति सदस्य है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1	श्रीमती कुसुमा	अध्यक्ष	सदस्य	27	12th	8580517980
2	श्रीमती मेनका	सचिव	सामान्य	31	M.A	9805575066
3	श्रीमती सरला	सदस्य	सामान्य	49	10th	9459280997
4	श्रीमती कांता देवी	सदस्य	सामान्य	60	5th	9817765222
5	श्रीमती हर्षा	सदस्य	सामान्य	37	12th स्नातक.	7018107450
6	श्रीमती यशोदा देवी	सदस्य	सामान्य	45	10th	7876126606
7	श्रीमती बीना देवी	सदस्य	सामान्य	48	10th	8091763078
8	श्रीमती प्रोमिला देवी	सदस्य	सामान्य	30	12th	7876877464
9	श्रीमती नीरा देवी	सदस्य	सामान्य	39	12th	9418978405
10	श्रीमती प्रोमिला देवी	सदस्य	सामान्य	58	8th	
11	श्रीमती सुंदरा देवी	सदस्य	सामान्य	32	12th	7018266311
12	श्रीमती बबली देवी	सदस्य	सामान्य	26	12th	8988758250
13	श्रीमती लीलावती देवी	सदस्य	सामान्य	27	12th	7876659401

श्रीमती कुसुमा (अध्यक्ष)

श्रीमती मेनका (सचिव)

श्रीमती नीरा देवी (सदस्य)

श्रीमती बबली देवी(सदस्य)

श्रीमती कांता देवी (सदस्य)

श्रीमती सुंदरा देवी(सदस्य)

श्रीमती सरला (सदस्य)

श्रीमती बीना देवी (सदस्य)

श्रीमती यशोदा देवी (सदस्य)

श्रीमती प्रोमिला देवी (सदस्य)

समूह के सदस्य

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह तरनोह

एसएचजी का नाम	::	नारी शक्ति
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	तरनोह
परिक्षेत्र	::	कोटली
वन मण्डल	::	मंडी
गांव	::	तरनोह
खंड	::	सदर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	13
गठन की तिथि	::	05-10-2021
बैंक का नाम और विवरण	::	ग्रामीण बैंक बरयारा
बैंक खाता संख्या	::	87561300027236
एसएचजी/मासिक बचत	::	1300
कुल बचत	::	24636
कुल अंतर-ऋण	::	5000
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	14 किमी
मेन रोड से दूर	: :	0 किमी
स्थानीय बाजार और दूसरे बाज़ार का नाम	:	कोटली - 15 किमी
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	मंडी- 15 किमी, कोटली - 15 किमी
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	कोटली, मंडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी इसलिएइस गतिविधीको समूह ने चुना।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार

प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	:: ::	अन्तर्निहित गांव – तरनोह कोटली मंडी आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	8	8000	64000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
मोटर संचालित मशीन	1	15000	15000
एम्ब्रिडरी मशीन	1	15000	15000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tape	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**122800**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल	**8850**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8850)	28650
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	122800	92100	30700
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**180600**	**142100**	**38500**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 75 % मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- बीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह

द्वारा

स्वेटर एवं जुराब बुनाई

कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं । इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है । जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाईं मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

खर्चों की जानकारी : –

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
कुल पूंजीगत लागत =			**79750**

आवर्ती लागत				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मुरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				**65200**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	65200
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	**65900**

उत्पादन की लागत (प्रति माह)

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वैटर = 8 न0

(यदि प्रतिदिन 3–4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वैटर = 130 न0

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न0 जोड़ी

(यदि प्रतिदिन 3–4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न0 जोड़ी

130 न0 स्वैटर के लिए ऊन की आवभयकता = 78 कि0ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 /–रूपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवश्यकता = 24 कि0 ग्रा0

जुराब के धागे का बाज़ार मूल्य = 9600/– रूपये

आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वैटर) = 130 न0

एक स्वैटर का औसत बाज़ार मूल्य = 800/– रू0

समूह की औसत आय = 104000रू0

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न0 जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाज़ार मूल्य = 150/– रू0

समूह की औसत आय = 36000रू0

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय –औसत लागत

= (104000+36000) – (54600+9600)

= 75800**रुपये**

लाभ प्रति माह प्रति व्यक्ति = 9475/– रुपये

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 122800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =130600/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 144950/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 275550/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	कटाई, सिलाई	122800	7800	92100	38500	130600
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200	59812	85138	144950
	कुल	**202550**	**73000**	**151912**	**123638**	**275550**

अनुलग्नक-1

इम नारी शक्ति स्वम सहयता समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और तरनोह वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने सिलाई,कटाई और बुनाई की गतिविधियों) को चुना गया।

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	श्रीमती कुसुमा	अध्यक्ष	सदस्य	27	Kushma.
2	श्रीमती मेनका	सचिव	सामान्य	31	Menka Devi
3	श्रीमती सरला	सदस्य	सामान्य	49	सरला देवी
4	श्रीमती कांता देवी	सदस्य	सामान्य	60	कान्ता देवी
5	श्रीमती हर्षा	सदस्य	सामान्य	37	Harsha Devi
6	श्रीमती यशोदा देवी	सदस्य	सामान्य	45	Yashodha
7	श्रीमती बीना देवी	सदस्य	सामान्य	48	Veena Devi
8	श्रीमती प्रोमिला देवी	सदस्य	सामान्य	30	Promila
9	श्रीमती नीरा देवी	सदस्य	सामान्य	39	Neera Devi
10	श्रीमती प्रोमिला देवी	सदस्य	सामान्य	58	Promila.
11	श्रीमती सुंदरा देवी	सदस्य	सामान्य	32	Sundra
12	श्रीमती बबली देवी	सदस्य	सामान्य	26	Babli Devi
13	श्रीमती लीलावती देवी	सदस्य	सामान्य	27	

17

Menka Devi
स्वम सहयता समूह-सचिव के हस्ताक्षर

के हस्ताक्षर

Kushma
स्वम सहयता समूह- प्रधान

प्रधान
वन विकास समिति तरनोह

Kanchan
वीएफडीएस सचिव के हस्ताक्षर

वीएफडीएस प्रधान के हस्ताक्षर

वनरक्षक के हस्ताक्षर

खण्ड अधिकारी के हस्ताक्षर

वन परिक्षेत्र अधिकारी के हस्ताक्षर

डीएमयू द्वारा स्वीकृत